मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

# (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 24 फरवरी 2015

## जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

| मौसमी तत्व / दिनांक | 24-02-14 | 25-02-14 | 26-02-15 | 27-02-15 | 28-02-15 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मि.मी.) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अधिकतम तापमान (°सेल्सियस) | 37 | 36 | 36 | 37 | 38 |
| न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस) | 20 | 20 | 20 | 19 | 19 |
| बादलों की स्थिति (ओक्टा) | 2 | 4 | 6 | 4 | 2 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह | 60 | 78 | 74 | 68 | 62 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम | 26 | 25 | 22 | 23 | 20 |
| हवा की गति (कि.मी/घंटा) | 20 | 24 | 26 | 22 | 18 |
| हवा की दिशा | पश्चिम | दक्षिण–पश्चिम | पूर्व–दक्षिण–पूर्व | उत्तर–पूर्व | दक्षिण–पूर्व |

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

गेहूँ की फसल में दाने की दूधिया अवस्था एवं दाना पकते समय सिंचाई अवश्य करें।

बादलो की उपस्थिती के कारण जीरे की फसल में झुलसा रोग के प्रकोप की सम्भावना है अतः रोग का प्रकोप दिखाई देने पर 2 ग्राम मैन्कोजेब दवा का प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

जिन किसान भाईयों के पास सिचाई के लिये पानी है वे ग्रीष्मकालीन ग्वार की उन्नत किस्में आर.जे.936, एच.जी.365, एच.जी.563 व आर.जी.एम.112 की बुवाई करें। बुवाई के लिए 10 से 12 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर प्रयोग करें।

ग्रीष्मकालीन भिण्डी की बुवाई करें। गर्मी की फसल हेतु बीज दर 20 किलो प्रति हैक्टर की दर से उपयोग करें। इसमें कतार से कतार की दूरी 30 सेन्टीमीटर एवं पौध से पौध की दूरी 12–15 सेन्टीमीटर रखें।

पशुओं को दाना, बांटा–मिश्रण संतुलित करके दें। इसके अतिरिक्त पशुओं को विभिन्न विटामिन व लवण–मिश्रण निर्धारित अनुपात में देते रहें, जिससे शरीर में इनकी कमी न होने पाएं।

भेड़ एवं बकरियों में फड़किया रोग से बचाव हेतु टीका लगवायें।